B.A HINDI

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

1. Programme's mission and objectives:

The Institute of Distance Education, RGU was established in 2005. Like other open distance learning institutions, the Institute of Distance Education, RGU is providing higher education to the targeted learners. The mission and objectives of the programme are:

- To impart and disseminate quality higher education through distance mode by providing instructional and study materials.
- To provide access to higher education to those people who are not able to pursue higher education through regular mode.
- To improve gross enrollment ratio in higher education.
- To promote research and innovative ideas among the students.

2. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The aims of Rajiv Gandhi University are to nurture the talent of learners by promoting intellectual growth to shape their personality and serve humanity as multi-skilled, socially responsible, creative, adaptable, contributing and morally sound global citizens. Also it have a mission to provide opportunities and support students from diverse background and assist them to become well-informed global citizens by developing their intellectual, moral, civic and creative capacities to the fullest through multi-faceted education and sustained engagement with local, national and global communities.

Alike, the mission and goals of the institution are to disseminate and advance quality education through instructions and research, to achieve excellence in higher education. The programme is aimed at providing quality higher education through distance education mode to those people who are interested to pursue higher education but do not get or are not able to take admission in regular mode of higher education by giving counseling, instruction and study materials. Hence, the programme is relevant to the HEI’s mission and goal.

3. Nature of prospective target group of learners:

The target group of learners will be dropout students, who have completed cass XII and are interested to pursue higher education but could not take admission in regular mode due to various social and economic problems. The targeted groups also include in-service, unemployed youth, defense and police personal, working in NGOs and the students who are preparing for competitive examination. This course has been design keeping in mind the growing influence of English and Hindi as Languages for official use. This will ensure that apart from academic experience the students also get competent for applying in administrative jobs.

4. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Learning and/or Online mode to acquire specific skills and competence:

B.A Hindi Programme through Distance Leaning mode is developed in order to give subject-specific skills including-

i) knowledge about communication skills

ii)) knowledge about Hindi language teaching

iii) knowledge about Hindi Grammar

iv) knowledge about Hindi translations and media skills

v) knowledge about the development in the field of literature so that they can pursue Higher Education

The course would enlighten to the learners about these queries. To do so, the Open and Distance Learning mode would provide quality higher education to the interested learners who are left out by the regular mode. It helps them to acquire competencies and skills in the concerned discipline by providing instruction through counseling, study materials, advice and support. Hence, it is the appropriate mode for acquiring competencies and skills.

5. Instructional Design:

a. Curriculum activities

i) Duration of programme: 3 (Three) years for B.A

ii) The three years course is comprises of six semesters.

iii) Semester examination is conducted after every five months.

iv) Result is declared after one month.

v) After the declaration of result, admission process starts

b. Detail syllabus

दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्सदोइमुख ,, ईटानगर

स्नातक कला (बी.ए) पाठ्यक्रम

हिन्दी

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति

(Choice Based Credit System)

(बी.ए. पाठ्यक्रम विवरण)
(B.A. Course structure)

सत्र (semester)	पत्र (paper)	कोर कोर्स (core course)	क्रेडिट (credit)	अंक (marks)
प्रथम सत्र	1	1	4 (4x1)	100
द्वितीय सत्र	1	1	4 (4x1)	100
तृतीय सत्र	1	1	4 (4x1)	100
चतुर्थ सत्र	1	1	4 (4x1)	100
पंचम सत्र	2	2	4 (4x2)	200
षष्ठ सत्र	2	2	4 (4x2)	200
कुल	**8**	**8**	**32**	**800**

पत्र विवरण-

पत्र संकेत संख्या (paper code)	पत्र का नाम	क्रेडिट	अंक	कुल क्रेडिट
प्रथम सत्र				32 क्रेडिट
BAHIN-101	सामान्य हिंदी -I	4 (4x1)	100	
द्वितीय सत्र				
BAHIN-201	सामान्य हिंदी II -	4 (4x1)	100	
तृतीय सत्र				
BAHIN-301	सामान्य हिंदी III -	4 (4x1)	100	
चतुर्थ सत्र				
BAHIN-401	सामान्य हिंदी IV -	4 (4x1)	100	
पंचम सत्र				
BAHIN-501	हिंदी गद्य I -	4 (4x1)	100	
BAHIN-502	भारतीय काव्यशास्त्र	4 (4x1)	100	
षष्ठ सत्र				
BAHIN-601	हिंदी गद्य II -	4 (4x1)	100	
BAHIN-602	भाषा विज्ञान	4 (4x1)	100	

स्नातक कला (बी.ए) प्रथम सत्र

पत्र- BAHIN-101

'सामान्य हिन्दी I'

इकाईः १ **हिन्दी साहित्य का इतिहास -I**

- परिचय
- हिंदी साहित्य का आरंभ
- हिन्दी साहित्य के काल विभाजन एवं नामकरण के कारण एवं आधार-
- हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन और नामकरण की परंपरा-
- हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण-
  - आदिकाल का काल विभाजन
  - आदिकाल का नामकरण
  - भक्तिकाल का काल विभाजन और नामकरण
  - रीतिकाल का काल विभाजन और नामकरण ।
  - आधुनिक काल का काल विभाजन और नामकरण

इकाईः २ **कविता -I**

- कबीरदास : सामान्य परिचय,
  - कबीरदास : पाठ्यांश
  - कबीर की भक्ति भावना
  - कबीरदास का सामाजिक पक्ष
- सूरदास : सामान्य परिचय
  - सूरदास : पाठ्यांस
  - सूरदास का वात्सल्य वर्णन
  - सूरदास की भक्ति भावना

इकाईः३ कविता -2

- मीराबाई :सामान्य परिचय
  - मीराबाई पाठ्यांस :
  - मीरा की कविता में विद्यमान विद्रोह भावना
- बिहारी सामान्य परिचय :
  - बिहारी पाठ्यांस :
  - बिहारी की काव्यगत विशेषताएं
  - बिहारी की बहुज्ञता

इकाईः ४ **व्याकरण :**

- परिचय
- लिंग
- कारक
- वचन
- काल
- वाक्य शुद्धि

सहायक ग्रन्थः

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
3.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
4.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

स्नातक कला (बी.ए) द्वितीय सत्र

पत्र - BAHIN- 201

'सामान्य हिंदी-II'

इकाईः १ **हिन्दी साहित्य का इतिहास –II**

- आदिकाल
  - आदिकाल की परिस्थितियाँ
  - आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- भक्तिकाल
  - भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
  - भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

- रीतिकाल
  - रीतिकाल की परिस्थितियाँ
  - रीतिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

इकाई २ : कविता –II

- जायसी का सामान्य परिचय
  - जायसी पाठ्यांस
- तुलसीदास का सामान्य परिचय
  - तुलसीदास :पाठ्यांस
  - तुलसी की भक्ति भावना
  - तुलसीदास का समन्वयवाद
- पारिभाषिक शब्द
  - अद्ूैतवाद
  - एकेश्वरवाद
  - सूफी

इकाई ३ : कविता –II I

- घनानंद सामान्य परिचय :
  - घनानंद (व्याख्या भाग)
  - घनानंद की प्रेम साधना और भक्ति
  - रीतिमुक्त कवी के रूप में घनानंद का मूल्यांकन घनानंद
- मैथलीशरण गुप्त सामान्य परिचय :
  - मैथलीशरण गुप्त (व्याख्या भाग)
  - मैथलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताएं

इकाई: ४ : **व्याकरण**

- शब्द अर्थ संबंध-
- विलोम शब्द
- पर्यायवाची शब्द
- मुहावरा
- लोकोक्तियाँ (कहावते)
- मुहावरा और कहावत की तुलना (लोकोक्ति)

सहायक ग्रन्थः

1.	हिंदी साहित्य का इतिहास	आ. रामचद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
3.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
4.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

स्नातक कला (बी.ए) तृतीय सत्र

पत्र- BAHIN-301

सामान्य हिन्दी -III

इकाई : 1 हिंदी साहित्य का इतिहास

- परिचय
- हिंदी साहित्य के अध्ययन की पूर्वपीठिका
    - हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परंपरा
    - हिंदी साहित्य इतिहास का काल विभाजन-
    - सीमा निर्धारण एवं नामकरण

इकाई : 2 छायावादी कवि

- परिचय
- जयशंकर प्रसाद सामान्य परिचय :
- सुमित्रानंदन पन्त सामान्य परिचय :

इकाई : 3 आधुनिक कवि

- परिचय
- नागार्जुन सामान्य परिचय :
- अज्ञेय स :ामान्य परिचय

इकाई : 4 व्यवहारिक हिंदी

- परिचय
- पत्र लेखन
    - प्रभावी पत्र लेखन
    - पत्र लेखन के प्रकार

इकाई : 5 अनुवाद

- परिचय
- अनुवाद सामान्य परिचय :
- अनुवाद अर्थ एवं स्वरुप :
- अनुवाद के क्षेत्र
- अनुवाद के स्वरुप
- अनुवाद के प्रकार
- अनुवाद के गुण
- अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद

सहायक ग्रन्थः

1. अच्छी हिन्दी — रामचन्द्र वर्मा।
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना — हरदेव बाहरी।
3. हिन्दी भाषा — डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. रेडियो लेखन — मधुकर गंगाधर।
5. टेलीविजनः सिद्धान्त और टैकनिक — मथुरादत्त शर्मा।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. दंगल झाल्टे
7. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग — गोपीनाथ श्रीवास्तव
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास — सं. डॉ. नगेन्द्र
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ.रामकुमार वर्मा ।

11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड	डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
12. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
13. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह
14. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास	आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

स्नातक कला (बी.ए) चतुर्थ सत्र

पत्र- BAHIN-401

सामान्य हिन्दी-IV

इकाई : 1 हिंदी साहित्य का इतिहास -I

- आधुनिक्कालीन काव्य
    - भारतेंदु युग परिचय तथा प्रवृत्तियां :
    - द्विवेदी युग परिचय तथा प्रवृत्तियां :
    - छायावाद परिचय तथा :प्रवृत्तियां
    - प्रगतिवाद परिचय तथा प्रवृत्तियां :
    - प्रयोगवाद परिचय तथा प्रवृत्तियां :
    - स्वतंत्रयोत्तर कविता परिचय तथा प्रवृत्तियां :
- सारांश

इकाई : 2 छायावादी कवि -I

- सूर्यकांत त्रिपाठी : 'निराला'सामान्य परिचय
- महादेवी वर्मा सामान्य परिचय :
- सारांश

इकाई : 3 आधुनिक कवि -I

- मुक्तिबोध सामान्य परिचय :
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना सारांश सामान्य परिचय :
- सारांश

इकाई : 4 व्यवहारिक हिंदी -I

- संक्षेपण
- पल्लवन
- टिप्पण
- सारांश

इकाई : 5 अनुवाद -I

- पारिभाषिक शब्दावली सामान्य परिचय
- पारिभाषिक शब्दावली अर्थ एवं परिभाषा :
- पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएं
- पारिभाषिक शब्दों के प्रकार
- चुने हुए पारिभ्शिक शब्द 150
- सारांश

सहायक ग्रंथ :

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
3.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
4.	भारतेंदु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
5.	भारतेंदु और भारतीय नवजागरण	सं. शम्भूनाथ एवं अशोक जोशी
6.	मैथिलीशरण गुप्त	रेवती रमण
7.	जयशंकर प्रसाद	नंद दुलारे वाजपेयी
8.	निराला की साहित्य साधना भाग-3	रामविलास शर्मा
9.	सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
10.	महादेवी वर्मा	जगदीश गुप्त
11.	महादेवी	दूधनाथ सिंह
12.	छायावाद	नामवर सिंह

स्नातक कला (बी.ए) पंचम सत्र

पत्र- BAHIN-501

'हिंदी गद्य'

इकाई : 1 हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास

- परिचय
- हिंदी गद्य साहित्य की विकास यात्रा
- उपन्यास
    - उपन्यास का उद्भव एवं विकास
    - उपन्यास का स्वरूप
    - प्रमुख उपन्यासकार
- नाटक
    - नाटक का उद्भव एवं विकास
    - प्रमुख नाटककार

इकाई : 2 (मन्नू भंडारी : महाभोज) उपन्यास

- परिचय
- में राजनीतिक चेतना 'महाभोज'
- में दलित चेतना 'महाभोज'

इकाई : 3 (भीष्म साहनी : कबिरा खड़ा बाजार में) नाटक

- परिचय
- भीष्म साहनी की नाट्य कला
    - भीष्म साहनी नाटककार के रूप में
    - भीष्म साहनी की नाट्य कलागत विशिष्टताएं

इकाई : 4 कहानी

- परिचय
- पुरस्कार जयशंकर प्रसाद :
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- पूस की रात मूलपाठ :
- कथासार
- मुख्य अवतरणों की व्याख्या
- कहानी के तत्वों के आधार पर की समीक्षा 'पूस की रात की समीक्षा'

- पूस की रात प्रेमचंद :
  - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
  - पूस की रात मूलपाठ :
  - कथासार
  - मुख्य अवतरणों की व्याख्या
  - कहानी के तत्वों के आधार पर की समीक्षा 'पूस की रात की समीक्षा'

इकाई : 5 विविध विधाएं

- परिचय
- मित्रता आचार्य रामचंद्र शुक्ल : (निबंध)
  - आचार्य रामचंद्र शुक्ल एक परिचय :
  - मित्रता मूल पाठ :
  - मित्रता निबंध सार :
  - मित्रता समीक्षात्मक अवलोकन :

- प्रथम भेंट-अंतिम भेंट महादेवी वर्मा : (रेखाचित्र)
  - प्रथम भेंट-अंतिम भेंट एक परिचय :
  - प्रथम भेंट-अंतिम भेंट मूल पाठ :
  - प्रथम भेंट-अंतिम भेंट का सार
  - प्रथम भेंट-अंतिम भेंटसमीक्षात्मक अ : वलोकन

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग — रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी — डॉ. नामवर सिंह
3. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद — डॉ. त्रिभुवन सिंह
4. कुछ कहानियां कुछ विचार : — विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास — मधुरेश
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद — सत्येन्द्रकुमार तनेजा
7. हिन्दी गद्य साहित्य — रामचन्द्र तिवारी

8.	हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
9.	उपन्यास का शिल्प	गोपाल राय
10.	उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा	परमानंद श्रीवास्तव
11.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आ. रामचंद्र शुक्ल
12.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेन्द्र
13.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा
14.	भारतेंदु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
15.	भारतेंदु और भारतीय नवजागरण	सं. शम्भूनाथ एवं अशोक जोशी
16.	मैथिलीशरण गुप्त	रेवती रमण
17.	जयशंकर प्रसाद	नंद दुलारे वाजपेयी
18.	निराला की साहित्य साधना भाग-3	रामविलास शर्मा
19.	सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
20.	महादेवी वर्मा	जगदीश गुप्त
21.	महादेवी	दूधनाथ सिंह
22.	छायावाद	नामवर सिंह

स्नातक कला (बी.ए) पंचम सत्र

पत्र- BAHIN-502

‘ भारतीय काव्यशास्त्र एवं भाषा विज्ञान’

इकाई : 1 काव्यशास्त्र

- परिचय
- काव्यशास्त्र उद्भव एवं विकास
- काव्य लक्षण
- काव्य – हेतु

इकाई : 2 काव्यशास्त्र

- परिचय
- रस अवधारणा एवं अलौकिकत्व :

- रस की परिभाषा एवं स्वरुप
- सभी रसों का सामान्य परिचय

इकाई : 3 काव्यशास्त्र

- परिचय
- छंद
    - छंद की अवधारणा
    - छंद के अवयव एवं मात्रा की स्थिति
    - कविता में छंद का स्थान
    - दोहाकुंडलि ,बरवै ,रोला ,गीतिका ,चौपाई ,सोरठा ,या तथा सवैया छंदों के लक्षण और उदाहरण

इकाई : 4 भाषा , हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि ,

- परिचय
- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं
    - भाषा की परिभाषाएं
    - भाषा की विशेषताएं
    - भाषा के विविध रूप एवं प्रकार
    - आधुनिक हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास
    - पुरानी हिंदी का स्वरुप
- भाषा और बोली में अंतर

इकाई : 5 भाषा विज्ञान

- परिचय
- भाषा विज्ञान परिभाषा :क्षेत्र एवं आबय विषयों से संबंध
    - भाषा विज्ञान की परिभाषाएं एवं क्षेत्र
    - भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध
- भाषा विज्ञान कि शाखाओं का परिचय
    - वर्णात्मक
    - ऐतिहासिक
    - तुलनात्मक

सहायक ग्रन्थः

1.	भाषा विज्ञान की भूमिका	देवेन्द्रनाथ शर्मा
2.	भाषा विज्ञान	डॉ. भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4.	हिन्दी भाषा	डॉ. भोलानाथ तिवारी
5.	हिन्दी भाषाः उद्भव और विकास	डॉ. उदयनारायण तिवारी
6.	शब्दार्थ तत्त्व	डॉ. शोभाकांत मिश्र
7.	आधुनिक भाषा विज्ञान	डॉ. राजमणि शर्मा
8.	हिन्दी भाषा का इतिहास	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
9.	हिन्दी भाषाः स्वरूप और विकासः	कैलाशचन्द्र भाटिया
10.	भाषा और समाज	रामविलास शर्मा
11.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. भगीरथ मिश्र
12.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना	डॉ. रामचंद्र तिवारी
13.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

स्नातक कला (बी.ए) छठा सत्र

पत्र- BAHIN-601

'हिंदी गद्य –I'

इकाई : 1 हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास-I

- एकांकी
    - भारतेंदु द्विवेदी युग-
    - प्रसाद युग
    - प्रसादोत्तर युग
    - स्वातंत्रयोत्तर युग
    - स्वातंत्रयोत्तर युग से अब तक (1947)

- कहानी
    - कहानी का उद्भव एवं विकास
    - नई कहानी एवं ग्रामांचल की कहानियाँ
- निबंध
- सारांस

इकाई : 2 (मन्नू भंडारी : महाभोज) उपन्यास-I

- औपन्यासिक तत्वों के आधार पर की समीक्षा 'महाभोज'
- उद्देश्य
- सारांश

इकाई : 3 (भीष्म साहनी : कबिरा खड़ा बाजार में) नाटक-I

- का प्रतिपाद्य 'कबिरा खड़ा बाजार में'
- का समीक्षात्मक अवलोकन 'कबिरा खड़ा बाजार में'
- सारांश

इकाई : 4 कहानी-I

- परदा यशपाल :
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - पूस की रात मूलपाठ :
    - कथासार
    - मुख्य अवतरणों की व्याख्या
    - कहानी के तत्वों के आधार पर 'परदा' की समीक्षा की समीक्षा '
- वापसी उषा प्रियंवदा :
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - पूस की रात मूलपाठ :
    - कथासार
    - मुख्य अवतरणों की व्याख्या
    - कहानी के तत्वों के आधार पर 'वापसी' की समीक्षा की समीक्षा '
- सारांश

इकाई : 5 विविध विधाएं–I

- बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं विद्यानिवास मिश्र .डॉ : (ललित निबंध)
    - डॉ एक परिचय : विद्यानिवास मिश्र .
    - बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं मूल पाठ :
    - बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं निबंध सार :
    - बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं समीक्षात्मक अवलोकन :
- उदयशंकर भट्ट उदयशंकर भट्ट : (एकांकी)
    - उदयशंकर भट्ट एक परिचय :
    - उदयशंकर भट्ट मूल पाठ :
    - उदयशंकर भट्ट निबंध सार :
    - उदयशंकर भट्टसमीक्षात्मक अवलोकन :
- सारांश

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग — रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी — डॉ. नामवर सिंह
3. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद — डॉ. त्रिभूवन सिंह
4. कुछ कहानियां कुछ विचार : — विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास — मधुरेश
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद — सत्येन्द्रकुमार तनेजा
7. हिन्दी गद्य साहित्य — रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास — रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. उपन्यास का शिल्प — गोपाल राय
10. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा — परमानंद श्रीवास्तव
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आरामचन्द्र शुक्ल ।
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास — सं. डॉ. नगेन्द्र
13. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा

भास्नातक कला (बी.ए) पंचम सत्र

पत्र- BAHIN-602

' भारतीय काव्यशास्त्र एवं भाषा विज्ञान ।'

इकाई : 1 काव्यशास्त्र -।

- काव्य प्रयोजन
- काव्य के गुण दोष-
    - काव्य गुण-
    - काव्य दोष-
- सारांश

इकाई : 2 काव्यशास्त्र-।

- रस निष्पत्ति
- रस के अवयव एवं रस दोष
    - रस के अवयव
    - रस दोष
- सारांश

इकाई : 3 काव्यशास्त्र -।

- अलंकार
    - अलंकार की अवधारणा
    - अलंकारों का काव्य में स्थान
    - शब्दालंकार एवं अर्थालंकार
    - अनुप्रासतथा संदेह अलंकारों के ,उत्प्रेक्षा ,रूपक ,उपमा ,वक्रोक्ति ,श्लेष ,यमक , लक्षण तथा उदाहरण
    - सारांश

इकाई : 4 भाषा , हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि ,-।

- हिंदी भाषा एवं हिंदी बोलियों का सामान्य परिचय
    - हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
    - हिंदी की प्रमुख बोलियाँ

- देवनागरी लिपि तथा उसकी विशेषताएं
    - देवनागरी लिपि एक परिचय :
    - देवनागरी लिपि की विशेषताएं
    - देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
    - देवनागरी लिपि में सुधार कि संभावनाएं
- सारांश

इकाई : 5 भाषा विज्ञान-I

- ध्वनि विज्ञान :स्वनों की अवधारणा
    - स्वर स्वनों का वर्गीकरण
    - व्यंजन स्वनों का वर्गीकरण
    - स्वन गुण एवं नियम
- स्वान परिवर्तन की दिशाएं और कारण
    - स्वन परिवर्तन की दिशाएँ
    - स्वं परिवर्तन के कारण
- सारांश

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग — रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी — डॉ. नामवर सिंह
3. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद — डॉ. त्रिभूवन सिंह
4. कुछ कहानियां कुछ विचार : — विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास — मधुरेश
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद — सत्येन्द्रकुमार तनेजा
7. हिन्दी गद्य साहित्य — रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास — रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. उपन्यास का शिल्प — गोपाल राय
10. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा — परमानंद श्रीवास्तव
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास — आरामचन्द्र शुक्ल ।
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास — सं. डॉ. नगेन्द्र
13. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा

c. Faculty and support staff requirements:

Faculty support is provided by the Department of Hind of Rajiv Gandhi University. Staff support is provided by the Institute of Distance Education itself. The IDE also receives staff support from the University.

d. Instructional delivery mechanisms:

The programme will be imparted with the help of suitably designed syllabus. The syllabus is developed by a group of experts. Instructions to the learners will be provided by conducting counseling. The counseling to the learners will be provided by the invited experts in the concerned discipline.

e. Full credit mapping and time given:

The Syllabus is as per the guidelines of UGC Regulation on Credit-Based Choice System (CBCS). In the first and second semester all the papers are compulsory, while in the third semester four papers are compulsory and one paper is an open elective course. The students are to opt for one open elective paper which will be offered by other departments. In the fourth semester apart from two compulsory papers, students are to opt for three other elective papers out of the total seven elective papers offered. Each paper carries 100 marks – 30 marks for internal (continuous) evaluation during the semester and 70 marks for external evaluation through end semester examination. Each semester will have 20 credits, comprising five papers of four credits each.

B.A HINDI (PASS COURSE)

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	PAPER	CORE COURSE	CREDIT	MARKS
1st SEMESTER	1	1	4 (4X1)	100
2nd SEMESTER	1	1	4 (4X1)	100
3rd SEMESTER	1	1	4 (4X1)	100
4th SEMESTER	1	1	4 (4X1)	100
5th SEMESTER	2	2	8 (4X2)	200
6th SEMESTER	2	2	8 (4X2)	200

TOTAL	**8**	**8**	**32**	**800**

PAPER CODE	TITLE OF THE PAPER	CREDIT	MARKS	TOTAL CREDITS
BAHIN-101	सामान्य हिंदी-I	4 (4x1)	100	4
BAHIN-201	सामान्य हिंदी -II	4 (4x1)	100	4
BAHIN-301	सामान्य हिंदी -III	4 (4x1)	100	4
BAHIN-401	सामान्य हिंदी -IV	4 (4x1)	100	4
BAHIN-501	हिंदी गद्य -I	4 (4x1)	100	4
BAHIN-502	भारतीय काव्यशास्त्र	4 (4x1)	100	4
BAHIN-601	हिंदी गद्य II	4 (4x1)	100	4
BAHIN-602	भाषा विज्ञान	4 (4x1)	100	4

f. Identification of media and student support service systems:

This will be done through counseling, discussion, Interactions with the experts. The information and other communication would be done through WhatsApp, Email, Facebook, Google meet etc.

6. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Applications for admission to the programme will be invited through advertisement in the print and social media. The applications will be scrutinized and applicants will be selected for admission on the basis of merit. Merit list will be prepared on the basis of percentage of marks in senior secondary level.

The learners will be provided with study materials. They will also be provided instructions by conducting counseling. The learners will be given home assignments which will be evaluated by the experts. The final examination will be conducted for which question papers will be set by experts and scripts will also be evaluated experts.

7. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Since the proposed discipline belongs to Social Sciences, laboratory work is not required.

Library Resources:

a. Central Library of the University
b. Dedicated Library at IDE, RGU
c. Separate Libraries at the Study Centres

8. Cost estimate of the programme and the provisions:

a) **Cost estimate of the programme:**

Common Annual Budget is sanctioned every year for the current financial year for expenses against all courses. This allocation is in the following heads:

i) Development of Course Materials
ii) Student Support Services (at HQ & Centres)
iii) Staff Training and Development
iv) Technology Support
v) Library
vi) Research & Development

b) Provisions:

FEE STRUCTURE OF MASTER OF ARTS

Details	MA 1st Semester	MA 2nd Semester	MA 3rd Semester	MA 4th Semester
Course Fee	700.00	700.00	700.00	700.00
Admission Fee	500.00	500.00	500.00	500.00
Registration Fee	450.00			
Central Examination Fee	1,600.00	1,600.00	1,600.00	1,600.00
Mark sheet Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
Self-Learning Material	3,500.00		3,500.00	
Assignment Evaluation Fee	300.00	300.00	300.00	300.00
Counseling Fee	700.00	700.00	700.00	700.00
Identity Card Fee	100.00	100.00	100.00	100.00

Continuation Fee		500.00	500.00	500.00
Assignment Response Fee	250.00	250.00	250.00	250.00
Centre Fee	300.00	300.00	300.00	300.00
Library Fee	100.00	100.00	100.00	100.00
Total	**8,750.00**	**5,300.00**	**8,800.00**	**5,300.00**

9. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

a. Quality assurance mechanism:

i) The Institute of Distance Education uploads all its policy decision on the website of the HEI, so that interested learners may know about the programme in detail before enrolled.

ii) Further, counseling is provided during the admission.

iii) As the learner enrolled in a programme, the Institute of Distance Education provides Self-Learning Materials.

iv) The Institute of Distance Education shares all the information to the learners through E-mail and Postal. In recent times, social media like Facebook and WhatsApp have become an integral part of the dissemination of information on quality assurance.

v) In every academic session, the Institute of Distance Education provides 10 (ten) days counseling programme to the learners.

vi) Above these, the academic staffs of the Institute of Distance Education takes thereby address all the grievances of the learners during working hours.

b. Expected programme outcomes:

The programme is designed to provide higher education to the students. It will help learners to acquire knowledge and skills and promote human resources development.